उपलों से बना ह्यूमिक एसिड
(पौध बढ़वार टॉनिक)

उपलों से बना टॉनिक पौधों के लिए एक अच्छा पौध–बढ़वार टॉनिक (ग्रोथ प्रमोटर) है। इसके उपयोग से ह्यूमिक एसिड के समान ही परिणाम प्राप्त होते है। इसका प्रयोग छोटे पौध की बढ़वार दर में वृद्धि के लिए किया जाता है।

निर्माण सामग्री

- **25–30 किग्रा. उपले / कंडे / गोसे / छाने**
- **50 लीटर क्षमता का पात्र**

बनाने की विधि

एक 50 लीटर क्षमता के ड्रम में दो साल पुराने उपले / कण्डे या गोसे की तह लगा कर पूरा भर दें। फिर उसमें ऊपर तक पानी भर दें। अब इसे 7 दिन रखा रहने दें। प्रतिदिन एक दो बार ड्रम को हिला दें ताकि पानी में हलचल पैदा हो जायें। (डंडा डालकर नही हिलाना है बल्कि ड्रम को पकड़ सावधानीपूर्वक हिलाना है) 7 दिन बाद टंकी से पानी निकालकर अलग कर लें और कंडों का निकाल कर सुखा लें और अन्य उपयोग में ले लें। इस प्रकार प्राप्त पानी को निथार लें।

उपयोग

जो पानी मिला है वो पौधों की बढ़वार के लिए बहुत ही बढ़िया पौध बढ़वार टॉनिक है। इस पानी को तीन गुना सादे पानी में डालकर अच्छे से मिला लें और खड़ी फसल पर स्प्रे करें। एक एकड़ के लिए लगभग 40–50 लीटर उपलों के पानी से बना 150–200 लीटर तैयार टॉनिक पर्याप्त होता है। अच्छे परिणाम के लिए 7 दिन बाद पुनः एक बार और छिड़काव करने से अच्छे परिणाम प्राप्त होते है।

भण्डारण एवं अन्य सावधानियां

बनाने के बाद 1 माह के अन्दर उपयोग कर लें।

गोयल ग्रामीण विकास संस्थान

श्रीरामशान्ताय

जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र

राजस्थान जैविक प्रमाणीकरण संस्थान जयपुर द्वारा प्रमाणित

ग्राम जाखोड़ा, कैथून-सांगोद मार्ग, कोटा - 325001 (राजस्थान)

88759 95439 ggvs@goyalglobal.com www.ggvsglobal.com